चिंदी मिल गई तो खुद को बजाज समझ रहे हैं राहुल गांधी-शिवराज सिंह चौहान

या तो गैंगस्टर राजस्थान में आएगा नहीं, यदि आया तो बचकर जाएगा नहीं- भजनलाल शर्मा

भाजपा की वृहद् प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में केन्द्रीय कृषि मंत्री और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भाग लिया। इस अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी व अन्य प्रमुख नेता भी मौजूद थे।

- **फेक एजेंडे पर सत्ता की रोटियां सेकना चाहती है कांग्रेस- सी.पी. जोशी**
- **केन्द्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कार्य समिति की बैठक में प्रस्ताव रखा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एन.डी.ए. की सरकार बनी है, इसके लिए केन्द्रीय नेतृत्व का अभिनंदन किया जाना चाहिए। बैठक में सभी ने इस प्रस्ताव का स्वागत किया।**
- **बैठक को भाजपा प्रदेश चुनाव प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे, राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम, केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने भी संबोधित किया।**

जयपुर 13 जुलाई (का.सं.)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने वृहद् प्रदेश कार्यसमिति को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता नींव का पत्थर है, भाजपा की आत्मा अगर उसका विचार है तो कार्यकर्ता उसका प्राण है। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता के स्वर्ण सिंहासन पर बैठने नहीं आई, बल्कि दरिद्र नारायण की सेवा और समृद्ध विकसित राजस्थान के लिए सत्ता में आई है। हमारे लिए राजनीति प्रोफेशन नहीं, मिशन है। यही कारण है कि राम मंदिर, धारा 370 जैसे पुराने मुद्दों का समाधान किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत एक ताकत बनकर उभरा है, जहां राष्ट्र हित सर्वोपरि है।

सिंह ने कहा कि समाज में चार ही जातियाँ हैं, गरीब, युवा, किसान और मातृशक्ति। इन चारों के ही कल्याण के लिए भाजपा संकल्पबद्ध है। किसानों का भला करने के लिए आवश्यक है कि फसलों का उत्पादन बढ़े, उत्पादन की लागत कम हो, उत्पादन का उचित मूल्य मिले, उसके नुकसान की भरपाई हो, फसलों का विविधिकरण हो और किसान प्राकृतिक खेती की ओर लौटे।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को चिंदी मिल गई तो अपने आप को बजाज समझने लगे हैं, इसी के चलते वो उस हिन्दू समाज को हिंसक बताने का पाप कर रहे हैं, जिस हिन्दू समाज ने "वसुधैव कुटुम्बकम्" और "सर्वे भवन्तु सुखिनः" का विचार दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सावचेत किया कि वे कांग्रेस के द्वारा झूठे नैरेटिव गढ़ने के प्रति सजग रहें और प्रखरता से अपनी बात को रखें। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आव्हान किया कि जिम्मेदारी के भाव से राष्ट्र हित में विचार को और सरकार के काम को जनता तक पहुंचाएं।

वृहद् कार्यसमिति को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश में 62 साल बाद इतिहास को दोहराते हुए नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत विश्व की सबसे बड़ी ताकत बनने को ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत विधानसभा और लोकसभा दोनों ही चुनाव में ऐतिहासिक जीत मिली है। भाजपा के कार्यकर्ता ने गांव-गांव, ढाणी-ढाणी जाकर परिश्रम किया और भाजपा की संकल्प यात्रा में आमजन को जोड़ने का कार्य किया। संकल्प पत्र में किए गए वादों को सरकार एक के बाद एक पूरा करने का काम कर रही है, फिर चाहे वो ईआरसीपी समझौता हो या फिर यमुना जल समझौता हो। ईआरसीपी योजना को लेकर सरकार ने भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया है और दिसंबर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस योजना का शिलान्यास करेंगे।

उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप, मीरा, पन्ना धाय की इस भक्ति और शक्ति की धरती पर हम अशांति नहीं फैलने देंगे। प्रदेश में संगठित अपराध के खिलाफ सरकार ज़ीरो टॉलरेन्स की नीति पर कार्य कर रही है, सरकार ने मेवात में साइबर क्राइम को जड़ से उखाड़ फेंकने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि या तो गैंगस्टर राजस्थान में आएगा नहीं, यदि आया तो बचकर जाएगा नहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस पार्टी के पास कोई विचारधारा नहीं है और न ही कोई संस्कार और नीति है। वहीं, भाजपा कार्यकर्ताओं के पास विचारधारा है, और इसी विचार को लेकर कार्यकर्ता बढ़ रहा है, संगठन की पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता पर नजर है, भाजपा में कार्यकर्ता को सर्वोपरि माना जाता है, उसकी संवेदना, भावना और विचार को महत्व दिया जाता है। कार्यसमिति में पधारे सभी कार्यकर्ताओं को मैं विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आपके सार्वजनिक हित के कार्यों को सरकार प्राथमिकता से करेगी।

भाजपा की वृहद् प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि भाजपा विचार को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है, जबकि कांग्रेस परिवारवाद पर चलने वाली पार्टी है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में देश आगे बढ़ा है, वहीं कांग्रेसी नेता फेक एजेंडा चलाकर पीएम मोदी को रोकना चाहते हैं, लेकिन जनता का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अटूट विश्वास है तथा इस विश्वास की बदौलत ही देश प्रगति की ओर अग्रसर है।

केन्द्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कार्यसमिति के दौरान लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बनी एनडीए सरकार का अभिनंदन प्रस्ताव रखा। केंद्रीय नेतृत्व के अभिनंदन वाले प्रस्ताव का कार्यसमिति में मौजूद सभी लोगों ने स्वागत किया।

भाजपा प्रदेश चुनाव प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि भाजपा की नीतियां और विचारधारा सुशासन की ओर ले जाने वाली हैं, जबकि कांग्रेस के पास न तो कोई नीति है और न ही नेतृत्व। कांग्रेस "फूट डालो राज करो" की नीति पर चलने वाली पार्टी है, लेकिन भाजपा सरकार के चलते कांग्रेस कामयाब नहीं हो पाई।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने कई चुनौतियां हैं, लेकिन भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ताओं की बदौलत पीएम मोदी इन चुनौतियों का सामना कर पा रहे हैं, पीएम मोदी के 2047 के विकसित भारत के सपने को साकार करने में कार्यकर्ताओं और देश की जनता ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार द्वारा जन हितेषी और ऐतिहासिक फैसले लिये जा रहे हैं। सरकार के कार्यों से प्रदेश की जनता खुश है, सरकार के कार्यो के बदोलत ही भाजपा आगामी समय में पांच विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में जीत दर्ज करेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा अल्प समय में ही किये गये ऐतिहासिक कार्यों और निर्णयों के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए अभिनंदन प्रस्ताव पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने रखा और हरियाणा के प्रभारी एवं वरिष्ठ नेता सतीश पूनिया ने इसका अनुमोदन किया।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं सांसद दामोदर अग्रवाल ने पिछली कार्यसमिति के बाद दिवंगत हुए राजनैतिक कार्यकर्ताओं, प्रबुद्धजनों के प्रति शोक प्रस्ताव रखा। कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कार्यसमिति के बारे में प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में दो प्रस्ताव पारित कर केन्द्रीय एवं राज्य सरकार के लोककल्याणकारी निर्णयों का अभिनंदन किया गया और संगठन की नीति, विचार और सरकार के कार्यों को जनता तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया गया।

कार्यसमिति के दौरान मंच पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अल्का सिंह गुर्जर, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश माथुर, अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी सहित अन्य भाजपा नेता उपस्थित रहे।

मंच संचालन भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं विधायक जितेन्द्र गोठवाल और श्रवण सिंह बगड़ी ने किया।

'आम जनता को कानून के सिद्धांत सरल भाषा में समझाने की जरूरत

सी.जे.आई. डी.वाय. चंद्रचूड़ ने कहा, ऐसा नहीं हो पाना कानूनी पेशे व कानूनी शिक्षा की कमी को बताता है

- **सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने लखनऊ में राम मनोहर लोहिया नैशनल लॉ युनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए यह कहा।**
- **कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, इलाहाबाद हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस अरूण भंसाली व अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।**

लखनऊ, 13 जुलाई। देश के मुख्य न्यायाधीश डी. वाय. चंद्रचूड़ ने शनिवार को क्षेत्रीय भाषाओं में कानून पढ़ाने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि अगर कानून के सिद्धांतों को आम जनता को सरल शब्दों में नहीं समझाया जा सकता है, तो कानूनी पेशे और कानूनी शिक्षा में कमी है।

लखनऊ में डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सीजेआई ने कहा, मैं अक्सर देश भर के शिक्षाविदों के साथ चर्चा करता हूं कि कानून को सरल भाषा में कैसे पढ़ाया जा सकता है। अगर हम कानून के सिद्धांतों को आम जनता को सरल शब्दों में नहीं समझा सकते हैं, तो कानूनी पेशे और कानूनी शिक्षा में कमी है।

मुख्य अतिथि के तौर पर उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ छात्रों को डिग्री भी वितरित की। सीजेआई ने कहा, कानून पढ़ाने में हमें क्षेत्रीय भाषाओं पर भी विचार करना चाहिए और मेरा मानना है कि आर.एम.एन.एल.यू. को हिंदी में एल.एल.बी. पाठ्यक्रम शुरू करना चाहिए। हमारे विश्वविद्यालयों में क्षेत्रीय मुद्दों से संबंधित कानून भी पढ़ाए जाने चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि कोई व्यक्ति भूमि से संबंधित समस्या लेकर निकटवर्ती गांव से विश्वविद्यालय के विधिक सहायता केंद्र में आता है और छात्र खसरा और खतौनी जैसे शब्दों को नहीं समझता है, तो वो उसकी मदद कैसे कर पाएगा? इसलिए छात्रों को भूमि से संबंधित क्षेत्रीय कानूनों के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मुख्य न्यायाधीश के रूप में उन्होंने न्याय प्रक्रिया को आम लोगों के लिए अधिक सुलभ बनाने के लिए कई निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए, अंग्रेजी में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का भारत के संविधान में मान्यता प्राप्त विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया जा रहा है, जिससे जनता इन फैसलों की विषय-वस्तु को समझ सके।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा वर्तमान में 1950 से 2024 तक के 37,000 सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हिंदी में अनुवाद किया गया है और यह सेवा सभी नागरिकों के लिए निःशुल्क उपलब्ध है।

इस अवसर पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अमरपाल सिंह, विधि विभागाध्यक्ष प्रोफेसर आदित्य प्रताप सिंह, उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के कई न्यायाधीश मौजूद रहे।

सोनिया से मिले झारखंड के मु.मंत्री हेमंत सोरेन

- **दस जनपथ पर सोनिया गांधी के साथ सोरेन ने झारखंड के आगामी वि.सभा चुनाव पर चर्चा की।**

नयी दिल्ली, 13 जुलाई। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी से यहाँ उनके आवास पर मुलाकात कर आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की। सोरेन ने अपने ट्विटर हैंडल पर यह जानकारी साझा की है। उन्होंने एक तस्वीर भी पोस्ट की है जिसमें वह अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ गांधी के आवास पर उनसे मुलाकात कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद वे सोनिया गांधी से नहीं मिले थे इसलिए उनसे मिलने उनके आवास पर गये। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने गांधी से झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा की।

इंडिया गठबंधन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दौरान जेल में रहे थे। लेकिन मुश्किल यह है कि इस तरह के तर्क राजद, द्रमुक और भाकपा जैसी पार्टियों के नेताओं की स्थिति से मेल नहीं खाते। इनके नेताओं का कहना है कि भाजपा अपने पापों को छिपाने के लिए ऐसी चालबाजियां कर रही हैं।

आपातकाल की बहस को फिर से छेड़ने में भाजपा का नुकसान भी है क्योंकि स्व. बालासाहेब ठाकरे और आर.एस.एस. के तत्कालीन सरसंघचालक बालासाहेब देवरस जैसे दक्षिणपंथी नेताओं ने आपातकाल का समर्थन किया था। देवरस ने इंदिरा गांधी को कम से कम दो पत्र लिखकर उन्होंने इस बात की बधाई दी थी कि आपातकाल के उनके निर्णय के कारण प्रशासन में अनुशासन और कुशलता आई है।

शिवसेना (यू.बी.टी.) प्रवक्ता संजय राउत ने शनिवार को जोर देकर कहा कि आपातकाल उस वक्त लागू किया गया था, जब रामलील मैदान से एक खुला आव्हान कर जवानों और सेना से कहा गया था कि वे सरकार के आदेशों को ना माने। उन्होंने कहा कि "राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिन्ताएं थी। कुछ लोग बम बना रहे थे और विस्फोट कर रहे थे। ऐसी स्थिति में यदि अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री होते तो वह भी आपातकाल लागू करते।"

जमीनी विवाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वाले अभियुक्त सगीर के साथ गांव की जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। जिसके चलते सगीर उसके पिता के साथ रंजिश रखता था।

बीती रात अभियुक्त उसके पिता की तलाश करता हुआ उनके घर आया था। रात को अभियुक्त खाना खाकर उसके पिता के साथ सो गया। वहीं देर रात को अभियुक्त ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसके पिता को गंभीर रूप से घायल कर दिया। रिपोर्ट पर कार्वाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को हत्या के प्रयास के अपराध में गिरफ्तार किया। वहीं बाद में इलाज के दौरान अयूब की मौत होने पर पुलिस ने हत्या की धारा जोड़ते हुए अभियुक्त के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र पेश किया। वहीं अभियुक्त की ओर से अपने बचाव में कहा गया कि वह घटना के समय अपने मकान के नीचे बैठा था।

इस दौरान शोर शराबा होने पर कई लोग आए और मुझे आकर पकडकर पुलिस के हवाले कर दिया। हत्या में उसकी कोई भूमिका नहीं है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को हत्या का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

हिमाचल की ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परन्तु उन्होंने आर.जे.डी. के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए इस्तीफा दे दिया था। संसदीय चुनावों में भारती की पराजय होने के बाद, उन्होंने आर.जे.डी. के प्रत्याशी के रूप में यह उप-चुनाव लड़ा था। 2024 में सम्पन्न लोकसभा चुनावों के बाद ये प्रथम उपचुनाव थे, इन लोकसभा चुनावों में भाजपा ने 240 सीटों पर विजय प्राप्त की थी, जो कि बहुमत से 32 सीटें कम थीं। हालांकि, एन.डी.ए कुल 293 सीटें जीतकर 272 सीटों का आंकड़ा पार कर आधा रास्ता तय करने में कामयाब रहा। कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडिया गठबंधन 232 सीटे जीतने में सफल हुआ था।

प. बंगाल में चारों सीटें जीतीं तृणमूल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रूप से यही अनुभव रहा है कि क्यू.आर.टी. टीमों को संकटग्रस्त स्थानों तक, सीधे और छोटे रास्तों के बजाय, सर्वाधिक घुमावदार रास्तों से ले जाया जाता था जिससे वे देर से पहुंची।

इसके बाद, उपद्रवग्रस्त स्थान को नियन्त्रित करने में कानून-व्यवस्था द्वारा हस्तक्षेप का प्रश्न भी सैद्धान्तिक किन्तु अव्यवहारिक दबाव बनाता था। निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के किसी प्रयास को रोकने के लिये, तृणमूल कांग्रेस ने एक नई तकनीक अपनाई थी।

तृणमूल कांग्रेस के गुन्डे मतदान केन्द्रों के आसपास तैनात कर दिये गये थे तथा वे सोचे-समझे तरीकों से सभी विपक्षी नेताओं को यह देखने के लिये मतदान केन्द्रों तक पहुँचने से रोक देते थे कि चुनाव निष्पक्ष रूप से सम्पन्न हो रहा है या नहीं। कोई भी विपक्षी नेता किसी भी मतदान केन्द्र तक नहीं पहुँच पाता था, भले ही उन्हें तृणमूल कार्यकर्ताओं द्वारा बूथों पर कब्जा करने की सूचनाएं क्यों न मिल गई हों।

राज्य के सत्तारूढ़ दल, तृणमूल कांग्रेस ने डराने-धमकाने का काम मतदान-दिवस से काफी पहले ही शुरू कर दिया था तथा यह सुनिश्चित कर लिया था कि विपक्षी दल निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराने के लिये अपने लोगों को किसी भी तरह कहीं नहीं भेज सकें।

नामांकन पत्र भरने की तिथि से लेकर मतदान-दिवस से पहले वाली रात तक विपक्षी उम्मीदवारों की गई धमकियों के अलावा, तृणमूल के गुंडे विपक्षी नेताओं के खिलाफ अपने बाहुबल के कार्यक्रम चलाते ही रहते थे।

मतदान वाले दिन, किसी भी विपक्षी दल के एजेंट को मतदान केन्द्रों के अन्दर नहीं बैठने दिया गया था। जहाँ कहीं भी विपक्षी प्रत्याशियों ने इन मतदान केन्द्रों पर जाने की कोशिश की, उन्हें तृणमूल के गुंडों ने रोक दिया।

सच तो यह है कि विपक्षी दलों तथा सभी पर्यवेक्षकों का मानना है कि जब तक तृणमूल कांग्रेस सत्ता में है, तब तक राज्य में निष्पक्ष चुनाव हो ही नहीं सकते। मौजूदा सरकार के हटने की स्थिति में ही निष्पक्ष चुनाव संभव है। यही इस राज्य की जमीनी स्थिति है।

संविधान हत्या ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सम्मान नहीं किया और संविधान खत्म करने का आव्हान करते रहे हैं लेकिन अब वही लोग संविधान हत्या दिवस मनाने जा रहे हैं। वाड्रा ने कहा, भारत की महान जनता ने ऐतिहासिक लड़ाई लड़कर अपनी आजादी और अपना संविधान हासिल किया है। जिन्होंने संविधान को बनाया, जिनकी संविधान में आस्था है, वे ही संविधान की रक्षा करेंगे।" उन्होंने कहा "जिन्होंने संविधान लागू होने का विरोध किया, संविधान की समीक्षा करने के लिए आयोग बनाया, संविधान खत्म करने का आव्हान किया, अपने फैसलों और कृत्यों से बार-बार संविधान और लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार किया, वे नकारात्मक राजनीति वाला संविधान हत्या दिवस मनाएंगे ही, इसमें आश्चर्य कैसा।"

'चीन के "एसैट्स" को नैशनलाइज़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धमकने के रूप में देखा जा रहा है। यूरोपीय देश खतरे को आसान मानकर चल रहे हैं, इसलिए वे रूस के खिलाफ एक कॉमन लाइन ऑफ डिफैंस बना रहे हैं और उसे क्रियाशील करने की तैयारियों में जुट गए हैं।

नाटो के सहयोगी देशों ने पश्चिमी देशों में रूस के कई स्लीपर सैल्स की पहचान की है। रूस के ये जासूस यूक्रेन जा रहे सामान की सप्लाई लाईन्स में व्यवधान डालने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने पश्चिमी यूरोप में अस्त्र-शस्त्र और गोला-बारूद्ध के ऐसे कई भण्डारों को अवरूद्ध कर दिया है जो यूक्रेन के लिए अबाधित सप्लाई को अहम माने जाते हैं।

हाल ही, अमेरिका और जर्मनी की इंटैलीजैंस यूनिट्स ने दावा किया कि उन्होंने एक शस्त्र फैक्ट्री के सी.ई.ओ. की हत्या करने की रूस की साजिश को विफल कर दिया है। यह फैक्ट्री यूक्रेन की सेना को हाई ग्रेड वैपन सिस्टम की सप्लाई करने वालों में थी।

फिनलैण्ड में भी कुछ इन्फ्रास्ट्रक्चर फैसीलिटीज़ पर रूस के गुप्त हमले हुए हैं। रूस की सीमा फिनलैण्ड से लगती है और फिनलैण्ड के थोड़ा अंदर ही उसके कुछ अन्तः क्षेत्र हैं और इन अन्तः क्षेत्रों को रूस की सैन्य चौकियों के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है।

चूंकि यूक्रेन में रूस का आक्रमण और तेज होता जा रहा है और पश्चिम के देशों में भी उसकी गुप्त गतिविधियां बढ़ रही है, इसलिए पश्चिमी यूरोप के देश रूस के भविष्य के युद्धाभियानों का मुकाबला करने के तरीकों पर विचार कर रहे हैं।

कर्नाटक आदिवासी बोर्ड के प्रमुख बसनगौड़ा दद्दाल लापता

बेंगलुरु, 13 जुलाई। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष बसनगौड़ा दद्दाल कथित तौर पर लापता हैं। ज्ञातव्य है कि, ईडी उन्हें बोर्ड में अनियमितताओं के सिलसिले में हिरासत में लेने की तैयारी में था।

सूत्रों ने शनिवार को बताया कि कर्नाटक में कांग्रेस के विधायक बसनगौड़ा दद्दाल बेंगलुरु या अपने पैतृक स्थान रायचूर में अपने आवास पर नहीं मिले। बसनगौड़ा दद्दाल शुक्रवार को विशेष जांच दल (एस.आई.टी.) के सामने पेश हुए थे और उसके बाद वे कहां हैं उनका पता नहीं है।

सूत्रों ने आरोप लगाया कि ईडी की गिरफ्तारी से बचने के लिए दद्दाल अपनी इच्छा से एसआईटी के सामने पेश हुए थे। हालांकि, एसआईटी अधिकारियों ने कथित तौर पर उन्हें समझाया कि ईडी द्वारा उन्हें कभी भी हिरासत में लिया जा सकता है और उन्हें वापस भेज दिया। सूत्रों के अनुसार, ईडी ने, दद्दाल द्वारा जनजातीय बोर्ड से कथित रूप से गबन किए गए पैसे को रियल एस्टेट में निवेश करने के संबंध में पर्याप्त सबूत जुटा लिए हैं।

ईडी ने एनईएफटी, आरटीजीएस और यूपीआई लेनदेन के माध्यम से उनके परिवार के सदस्यों के खातों में बड़ी मात्र में ट्रांसफर की गई धनराशि का भी पता लगाया है।

आवंटियों की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का वादा किया। वहीं प्रोजेक्ट में एक भव्य क्लब हाऊस बनाने का वादा कर आवंटियों से सुविधाओं के नाम पर लाखों रुपये लिये गये। प्रोजेक्ट को वर्ष 2017 तक पूरा किया जाना था, लेकिन बिल्डर ने सुविधाओं का निर्माण नहीं किया। इसके अलावा गत वर्ष प्रोजेक्ट में क्लब हाउस निर्माण हेतु निर्धारित की गई जमीन पर एक नई प्लॉटिंग स्कीम जेडीए से स्वीकृत कराकर रेरा में पंजीकृत करवा ली। जबकि ऐसा करने से पूर्व ना तो आवंटियों को सूचित किया गया और ना ही आवंटियों की सहमति ली गई। प्राधिकरण ने अपील को स्वीकार करते हुए माना कि बिल्डर ने प्रोजेक्ट का निर्माण पूर्ण नहीं किया और ना ही कम्पलीशन सर्टिफिकेट व ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट प्राप्त किया गया। इसके अलावा बिल्डर ने आवंटियों की सहमति के बिना अपने स्तर पर ही प्रोजेक्ट के तय ले-आउट प्लान में बदलाव कर दिया। योजना पूरी हो जाने के बाद योजना के कॉमन एरिया पर आवंटियों वेलफेयर एसोसिएशन का अधिकार हो जाता है व बिल्डर को समस्त कॉमन एरिया आवंटियों की संस्था को सुपुर्द किया जाना होता है।

'गत 3-4 साल में रोजगार के 8 करोड़ अवसर सृजित हुए हैं'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आर.बी.आई. की इस रिपोर्ट ने झूठ फैलाने वालों का मुंह बंद कर दिया है

- **प्रधानमंत्री ने कहा रोजगार पर झूठे आंकड़े फैलाकर विपक्षी पार्टियां विकास परियोजनाओं में अडंगा लगा रही है।**
- **प्रधानमंत्री ने यह बात महाराष्ट्र में 30 हजार करोड़ की सड़क व रेल परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए कही।**
- **प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री युवा कार्य प्रशिक्षण योजना का उद्घाटन किया, जिसके तहत हर साल दस लाख शिक्षित युवाओं को भत्ते के साथ प्रशिक्षण दिया जाएगा।**

मुंबई,13 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारतीय रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि, पिछले तीन साल में रोजगार के करीब आठ करोड़ नये अवसर सृजित हुए हैं, जिससे रोजगार के मामले पर झूठी तथ्यहीन बातें फैलाने वालों का मुंह बंद हो गया है।

मोदी ने कहा कि कोरोना के बावजूद भारत में रिकॉर्ड संख्या में रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। उन्होंने कहा, हाल में रोजगार के बारे में आरबीआई ने एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले तीन-चार सालों में देश में करीब आठ करोड़ नये रोजगार पैदा हुए हैं। इन आंकड़ों ने उन लोगों का मुंह बंद कर दिया है, जो झूठी बातें फैला रहे थे।

प्रधानमंत्री ने विपक्षी नेताओं पर बुनियादी परियोजनाओं और विकास के कार्यों में अड़ंगा डालने का आरोप लगाया और कहा कि, देश के लोगों ने उनकी साजिशों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा, ये लोग निवेश, बुनियादी ढ ांचा और देश के विकास के कामों का विरोध करते हैं और अब उनकी कलई खुल गयी है। देश के नागरिक उन्हें अस्वीकार कर रहे हैं।

मोदी ने इस कार्यक्रम में मुंबई और उसके आसपास के क्षेत्रों में सम्पर्क सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 30 हजार करोड़ रुपये की सड़क मार्ग और रेल परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। उन्होंने इस अवसर पर महाराष्ट्र सरकार के मुख्यमंत्री युवा कार्य प्रशिक्षण योजना का भी उद्घाटन किया। छिहत्तर हजार करोड़ रुपये की इस परियोजना के तहत हर साल 10 लाख शिक्षित युवाओं को भत्ते के साथ प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यक्रम में महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और रामदास अट्ठावले, राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे खुशी है कि महाराष्ट्र सरकार ने हर साल 10 लाख नौजवानों को कार्य कौशल का प्रशिक्षण देने का संकल्प लिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, मेरा लक्ष्य मुंबई को दुनिया की फिनटेक (फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी) कैपिटल (राजधानी) बनाना है और मुंबई को और विकसित कर यहां के लोगों के जीवन स्तर को सुधारना और उनके लिए रोजगार के अवसरों का विस्तार करना है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने में मुंबई और महाराष्ट्र की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसीलिए उनकी सरकार ने मुंबई और इसके आसपास के क्षेत्रों में सम्पर्क सुविधाओं के विस्तार का बीड़ा उठाया है। तटीय मार्ग और अटल सेतु का काम पूरा हो चुका है। हर रोज अटल सेतु का 20 हजार वाहन इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे रोजना 20 से 25 लाख रुपये के ईंधन की बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि अटल सेतु बन रहा था, तो कुछ लोग इसका विरोध कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले मुंबई में मेट्रो रेल केवल आठ किलोमीटर लंबा नेटवर्क था, जो अब 80 किमी तक पहुंच गया है और 200 किमी की लाइनों पर काम चल रहा है।

मोदी ने मुंबई में आज जिन परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया, उनमें गोरेगांव-मुलुंद सड़क मार्ग परियोजना का भूमि पूजन, ठाणे-बोरीबली दोहरी सुरंग -सड़क परियोजना का शिलान्यास भी शामिल है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908